प्रतिदिन अखबार

पास-पड़ोस

अमरावती, रविवार, 25 फरवरी 2018 16

अमरावती : जिला सामान्य अस्पताल में सफाई अभियान के दौरान उपस्थित महापौर संजय नरवणे, आयुक्त हेमंत पवार, पार्षद श्रीचंद तेजवानी तथा वार्डो में सफाई करतीं मिशन की सदस्याएँ.

पुलगांव में फाग महोत्सव शुरू

128 वर्षों की परंपरा

संवाददाता, 24 फरवरी

पुलगांव- फागुन उत्सव होलीका उत्सव की धूम शहर में महाशिवरात्रि से शुरू हो जाती है और होली की पंचमी तक यह सिलसिला चलता रहता है. फाग यह होली के गीतों का कार्यक्रम शहर के मंदिरों से होते हुए महानुभवों के घरों से पंचमी के दिन स्थानीय तिलक चौक स्थित बचई महाराज के चौपाल पर फाग उत्सव का समापन होता है.

बताया जाता है कि 128 वर्ष पूर्व 1890 में गुंजखेडा में वर्धा नदी के तट पर अंग्रेज के काल में रेलवे पुल का निर्माण कार्य शुरू हुआ था. इसी निर्माण कार्य के चलते इस गांव का नाम पुल वाला गांव पुलगांव के नाम की बस्ती बनी. जिसे बनाने आए उत्तर भारतीय समूह ने जुना पुलगांव में अपनी बस्ती का निर्माण किया. जहां उस बस्ती में सभी धार्मिक कार्यों में होली उत्सव में 'फाग' गाकर बड़ी ही धूमधाम के साथ मनाते थे.

'फाग' यह गीत एक विशिष्ट राग में राम, कृष्ण, हनुमान के भजनों को गाया जाता है. 'सुमिरण करो आदि भवानी का'. शिवरात्रि से शुरूआत इस फाग को उत्तर भारतीय समाज अपने साहसी पूर्वजों के संस्कारों एवं कुलीन आचरणों के कारण एक स्नेही तथा सौहादपूर्ण समाज के गठन से पावन पूर्व मानते. धीरे-धीरे इस उत्सव में हर समाज के अन्य व युवा वर्गो ने आगे बढ़ाया.

'गढ लंका में बाजे डंका है, अंजनी का बेटा बंका है' 1890 के उस काल में आए स्व. रामेश्वर प्रसाद दुबे(बचई महाराज) स्व. पं. शिवराम प्रसाद तिवारी, स्व. शिवदत्त शुक्ला, स्व. गिरजासिंह ठाकुर, स्व. बेनीमामा, स्व. गयाप्रसाद तिवारी, स्व. रामदास बस्ताल, स्व. सदन मिश्रा, स्व.

नंदलाल मंडले, स्व. फुलचंद गुप्ता, स्व. शिवकुमार अवस्थी, स्व. श्यामसुंदर सिंह ठाकुर, स्व.लालाजी श्रीवास, स्व. बेनी माधव दुबे, स्व. नंदलाल श्रीवास्तव, स्व. मुलई यादव, स्व. इंदर महाराज शुक्ला, स्व. अंबाप्रसाद शुक्ला, स्व. अनंत कुमार शुक्ला, स्व. बाबूलाल गुप्ता, स्व. छोटूसिंह ठाकुर आदि महानुभवों ने विभिन्न धार्मिक कार्य के साथ 128 वर्ष पूर्व होली के फाग उत्सव की शुरूआत की. उसी परंपरा का बड़ी ही उत्साह से युवाओं ने बरकरार रखा. जो आज विशाल रूप में चुका है.

'बन मां निकल पडे हो भाई' इस फाग में दो प्रकार के ढोलक, झांझ, मंजीरा आदि वाद्ययों के साथ जोर-शोर के साथ महानुभवों के घरों में रात्रि में इन गीतों की गूंज शहर भर आती है. पूरे महाराष्ट्र में इसी शहर में 1 माह का फाग उत्सव की मिसाल दी जाती है. युवाओं को प्रेरीत करने में स्व. त्रिभुवनसिंह ठाकुर ने अपने स्वर्ण अक्षरों में फाग की सुंदर डायरी बनाकर दी गई थी.

रंग पंचमी का महत्व 'सदा आनंद रहे यहु द्वारा' रंगपंचती के दिन सभी महानुभव जिसमें तीन पीढ़ियों के फगुहारों के साथ शुभ्र वस्त्र में हनुमान मंदिर से निकलकर सारे शहर की परिक्रमा लगाती है और घरों में रुककर आशीर्वाद स्वरूप सदा आनंद रहे यहु द्वारा का गीत गाकर आगे निकल जाती है. जिन घरों में फाग जाती है वह गुलाल, रंग व गाठियों के साथ अल्पोहार आदि से उनका स्वागत करता है और सभी अपने पुराने विवादों को भुलकर गले मिलकर स्वागत सत्कार करते है. शहर में सर्वधर्म समभाव की मिसाल होलीका उत्सव रंगपंचमी के साथ छोड़ जाती है.

निरंकारी मिशन ने दमकाया इर्विन अस्पताल

हॉस्पिटल में लगाया झाड़ू-पोछा : बाबा हरदेवसिंह महाराज की 64वी जयंती पर अभियान

फोटो - जय स्टूडियो, अमरावती

प्रतिनिधि, 24 फरवरी

अमरावती- संत निरंकारी मिशन की ओर से बाबा हरदेवसिंह महाराज की 64वीं जयंती के उपलक्ष्य में शनिवार को सुबह 8 से 10 बजे तक इर्विन अस्पताल में स्वच्छता अभियान चलाकर हॉस्पिटल को निजी अस्पतालों की तर्ज पर चमका दिया. निरंकारी मिशन के सदस्यों ने हाथ में झाड़ू-पोछा लेकर अस्पताल के हर वार्ड में सफाई की. कोने-कोने का कचरा साफ कर अस्पताल को स्वच्छ किया. महापौर संजय नरवणे, मनपा आयुक्त हेमंत पवार, जिला शल्य चिकित्सक श्यामसुंदर निकम की प्रमुख उपस्थिति में संयोजक महेशलाल पिंजानी, पार्षद श्रीचंद तेजवानी समेत मिशन के सदस्यों ने इस उपक्रम में बढ़-चढ़कर सहभाग लिया. गत वर्ष स्वचछता अभियान में अमरावती व बडनेरा शाखा के करीब 500 सदस्यों ने सहभाग लिया था. संत निरंकारी मिशन की ओर से सफाई अभियान वर्षों से चलाया जा रहा है. अभियान के तहत रेलवे स्टेशन, बस स्थानक की सफाई सदस्यों ने की है. उसी तर्ज पर जिला सामान्य अस्पताल में सफाई की गई. इस दौरान पूर्व पार्षद पुरुषोत्तम बजाज, बडनेरा मिशन प्रमुख हरीशलाल बजाज, सेवादल संचालक अशोक टिडवाणी, मुकेश मेघाणी, किशनचंद बोधाणी, संतोष पंजवानी, देवीदास गेडाम, सतीश धोटे, धनंजय क्षीरसागर, सतीश पटेल, भारती पिंजाणी, रेखा रूपेजा, किरण छुटलानी, हेमा टिडवाणी, मयूर श्रीरामवार, लाजवंती खुले, किशोर चार्लिया, अक्षय अजमिरे, सुदेश दलवाणी, संजय खड़से, बबलू ठाकुर, नीता ठाकरे, लीलाधर खुले आदि उपस्थित थे.

अस्पताल का अवलोकन

करीब 2 घंटे तक सफाई अभियान चलाने के बाद संत निरंकारी मिशन के सदस्यों ने इर्विन अस्पताल का अवलोकन किया. जिला शल्य चिकित्सक व डॉक्टरों से चर्चा की तथा भविष्य में इस प्रकार ही अस्पताल में सफाई रहे, इस संदर्भ में इर्विन प्रशासन नियोजन करे, ऐसी मांग भी रखी.

मरीज हुए अचंभित

सुबह के दौरान एक साथ इतने सारे लोग साफ-सफाई के लिए हाथों में झाड़ू-पोछा थामे वार्ड में देखकर मरीज भी अचंभित हो उठे थे. निरंकारी मिशन के सदस्यों ने बड़े ही अपनत्व व सामाजिक दायित्व का निर्वहन करते हुए इर्विन अस्पताल के हर वार्ड को कचरे से मुक्त किया. इतना ही नहीं तो इन सदस्यों ने शौचालयों की भी सफाई की. इस स्वच्छता अभियान के बाद इर्विन अस्पताल चमक उठा.

ज्येष्ठ मित्र मंडल का 'टैलेन्ट 2018' आज

स्थायी समिति सभापति कुकरेजा का होगा सम्मान

नागपुर,प्रतिनिधि, 24 फरवरी - नगर की सुप्रसिध्द सामाजिक तथा सांस्कृतिक संस्था ज्येष्ठ मित्र मंडल द्वारा आगामी रविवार 25 फरवरी को टैलेन्ट -2018 कॅराओं के स्पेशल कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है. इस कार्यक्रम में मंडल के सदस्य अपनी-अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे. यह कार्यक्रम केवल सदस्यों, दानदाताओं व निमंत्रितों हेतु आयोजित है. मंडल के अध्यक्ष अर्जुनदास आहूजा ने बताया कि जरीपटका प्रभाग-1 के लोकप्रिय नगर सेवक विरेन्द्र कुकरेजा के महानगर पालिका में स्थायी समिति सभापति पद पर निर्वाचित होने से समाज में हर्ष की लहर है इसलिए उनका भी भावभीना सत्कार होगा. उन्होंने सभी सदस्यों से उपस्थिति की अपील की है.

मंगल परिणय

संजय संग निशा व रोहित संग श्वेता

शहर के प्रतिष्ठित नागरिक व राधास्वामी किराना, आरएस फैमिली मार्ट, राकेश एजेंसी, आरएस गारमेंट्स व आरएस ट्रेडर्स तथा शगुन साड़ी के संचालक आत्माराम पुरसवानी के सुपुत्र **चि. संजय** का मंगल परिणय नंदुरबार के प्रतिष्ठित रमेशलाल पमनानी की सुपुत्री **चि. सौ. कां. निशा** के संग तथा गोवर्धन पुरसवानी के सुपुत्र **चि. रोहित** का मंगलपरिणय परतवाड़ा के प्रतिष्ठित दिलीप राजपाल की सुपुत्री **चि. सौ. कां. श्वेता** के संग रविवार, 25 फरवरी को रात 8 बजे धर्मदाय कॉटन फंड, वॉलकट कंपाउंड में आयोजित है.

करन संग काजोल

शहर के प्रतिष्ठित नागरिक व मालीवय इंडस्ट्रीज, हिरो कुलर्स, मालवीय लॉन, मालवीय लैंड, डेवलपर्स एंड बिल्डर्स, मालवीय कृषि आरेंज फार्म व मालवीय फायनंस के संचालक सुरेश मालवीय के सुपुत्र **चि. करन** का शुभविवाह मुर्तिजापुर के प्रतिष्ठित स्व. नरेश महाजन की सुपुत्री **चि. सौ.कां. काजोल** के संग रविवार, 25 फरवरी की शाम 8 बजे बंधन लॉन, ग्रैंड महफिल कैम्प में संपन्न हो रहा है.

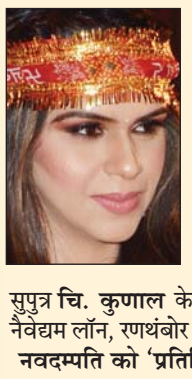

आयुशी संग कुणाल

शहर के प्रतिष्ठित नागरिक जय हेमराजानी की सुपुत्री **चि. सौ. कां. आयुशी** का शुभविवाह प्रतिष्ठित दीपक लखपति के सुपुत्र **चि. कुणाल** के संग रविवार, 25 फरवरी की शाम 8.30 बजे नैवेद्यम लॉन, रणथंबोर सिटी के सामने, बडनेरा रोड पर संपन्न हो रहा है.

नवदम्पति को 'प्रतिदिन अखबार' व 'वृत्त केसरी' की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं.

कल सुबह हरी झंडी बताने स्टेशन पहुंचें

पत्रवार्ता में रेल रोको कृति समिति का नागरिकों से अनुरोध

संवाददाता, 24 फरवरी

चांदूर रेलवे - स्थानीय रेल रोको कृति समिति के प्रयासों, जनसहभाग, सांसद रामदास तड़स, रेल प्रशासन व पत्रकारों के योगदान से यहां इंटरसिटी एक्सप्रेस व जबलपुर एक्सप्रेस को सोमवार से स्टॉपेज मिल रहा है. यह आनंदोत्सव मनाने के लिए रेल को हरी झंडी बताने के कार्यक्रम में 26 फरवरी की सुबह 6 बजे व 8.30 बजे ज्यादा से ज्यादा तादाद में तहसील के लोगों ने उपस्थित रहने का अनुरोध रेल रोको कृति समिति की ओर से नितिन गवली, राजाभाऊ भैसे, मेहमूद हुसैन, कॉ. विनोद जोशी, शेख हसनभाई, कॉ. विजय रोडगे, संजय डगवार, गौतम जवंजाल, भीमराव खलाटे, महादेवराव शेंद्रे, रामदास कारमोरे, भीमराव बेराड़, अजय चुने, विनोद लहाने, पंकज गुड़धे ने किया है.

स्टेशन मास्टर व सांसद का होगा सम्मान : रेल रोको कृति समिति की इस सफलता में रेल प्रशासन व सांसद रामदास तड़स का सहयोग मिला है.

इसके प्रति समिति के सदस्य 26 फरवरी की सुबह स्टेशन मास्टर व सांसद तड़स को सम्मानित करेंगे, ऐसा समिति द्वारा पत्रवार्ता में बताया गया.

ऐसा रहेगा टाइमटेबल : सोमवार, 26 फरवरी से इंटरसिटी व जबलपुर एक्सप्रेस यहां के रेलवे स्टेशन पर रुकेगी. अमरावती-अजनी इंटरसिटी एक्सप्रेस (12119) सुबह 6.06 बजे चांदूर रेलवे पहुंचेगी, 6.07 बजे अजनी के लिए रवाना होगी. अजनी-अमरावती (12120) यह ट्रेन रात 8.33 बजे चांदूर रेलवे पहुंचेगी व 8.34 बजे अमरावती की ओर रवाना होगी. साथ ही अमरावती-जबलपुर (12159) यह सुपरफास्ट एक्सप्रेस शाम 6.33 बजे चांदूर रेलवे पहुंचेगी तथा 6.34 बजे जबलपुर के लिए रवाना होगी. जबलपुर-अमरावती एक्सप्रेस (12160) यह ट्रेन चांदूर रेलवे स्टेशन पर सुबह 8.37 बजे पहुंचेगी व 8.38 बजे अमरावती के लिए रवाना होगी. इसलिए अब तहसील के ज्यादा से ज्यादा लोगों ने उपरोक्त दोनों ट्रेन से यात्रा कर स्थानीय रेलवे स्टेशन की आय बढ़ाना महत्वपूर्ण है, ताकि रेल रोको कृति समिति के प्रयासों को आखिरी तक सफलता मिलेगी.

दिव्य दीक्षा व महासत्संग कार्यक्रम आज

वर्धा,प्रतिनिधि, 24 फरवरी- प.पू. सद्गुरु श्री दादाश्री महाराज के पावन सानिध्य में नेवजाबाई हितकारिणी हॉल, ब्रह्मपुरी (जि. चंद्रपुर) में 25 फरवरी की सुबह 9 बजे शक्तिपात की दिव्य दीक्षा व 11 बजे महासत्संग कार्यक्रम का आयोजन किया गया है. जिसका लाभ लेने का अनुरोध उध्दव झगड़कर, पुंडलिक बगमारे, अरुण चचाणे, गोमाजी नन्नावरे, संतोष प्रधान व प्रवीण भानारकर ने किया है.

'हमारा स्वार्थ दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है'

प्रज्ञानिधि पू. साध्वी प्रियंकराश्रीजी की अमृतवाणी, होली चातुर्मास का आयोजन

संवाददाता, 24 फरवरी

धामणगांव रेलवे-बोधज्ञान की शुरूआत छोटे दो बालक चिंटू से करते है. पिंटू क्या बात हैं आज तू बहुत खुश नजर आ रहा है. वो कहता है कि रास्ते में मुझे 1 रुपया मिला है. इसलिए मैं आज आनंदित हूं. पिंटू वो रुपया गिरा हुआ मेरा ही था, वो मुझे दे देना. ऐसा संवाद एक दूसरे से चलता है. बाद में पिंटू चालाकी दिखाता है, मुझे दो अठ्ठनी मिली है, इस पर चिंटू भी चाल चलता है, दो तुकड़े मेरे ही थे. बंधूओं यह रुपक से पता चलता है कि हमारी ठगाई, स्वार्थ का कोई ठिकाना ही नहीं है, स्वार्थ दिन-ब-दिन बढ़ता चला जा रहा है. ऐसी कथा के माध्यम से स्थानीय श्री जैन श्वेताबंर मंदिर ट्रस्ट की ओर से होली चातुर्मास में जारी प्रज्ञानिधी प्रशांतमना, पू. साध्वी प्रियंकराश्रीजी ने अपनी अमृतवाणी में बताया. उन्होंने आगे कहा कि हर बात पर स्वार्थ बढ़ रहा है. पूर्व के पुण्य से हमें पूरी सामग्री मिली है, दूसरों के लिए सहयोग की भावना नहीं होती. हर समय घर में परिवार में स्वार्थ दिखाई दे रहा है. सब प्रोफेशनल हो गए है. एक अभिषेक नामक व्यक्ति अपने दरवाजे पर ही खड़ा था. उतने में एक दूसरा व्यक्ति एड्रेस पूछते-पूछते इनके पास पहुंचा. तो अभिषेक कहते है कि मैं आपको एड्रेस बताता हूं. लेकिन उससे पहले मेरा एक सद्कार्य करना होगा. मेरे पिताजीअंतिम घड़ी पर है. उन्हें धर्म की शुभचिंतन धारा सुनाओ तो उनकी गति सुधर जाएगी. वो व्यक्ति यह कार्य पिता के पास जाकर धर्म कार्य करके आता है, अभिषेक कहता है आपके बहुत उपकार है. अंतिम समय में पिताजी की गति सुधारने का कार्य किया. आप जो मदद मांगों में देने को राजी हूं. वो व्यक्ति कहता है मुझे आपसे कुछ नहीं चाहिए बस आप पता बता दिजिएं. पिता के पास इतना धन था, 10 गाड़ियां थी, सबकुछ पिताजी के पास था पर सुखी नहीं थे, दोनों पिता-पुत्र की पटती नहीं थी.आगे कहा कि हम सभी को चार भावना भाना है. प्रतिदिन जगत के सभी जीवों के प्रति मैत्री भाव रखता है. अभी तो हमारी स्थिति परिवार के प्रति प्रेम की नहीं है. हमारा जीवन सब तरह से व्यस्त होता जा रहा है, सुबह उठते ही बिस्तर पर चाय पीते-पीते अखबार पढ़ते है और पढ़कर पाप के विचार चाय के साथ पीते जा रहे हैं.

अभी हम श्रावक की भूमिका में भी आए नहीं, वितराग शासन मिला है-ज्ञान प्राप्ति की रुचि नहीं हुई तो वापस अपना रिजर्वेशन सीधा निगोद में जाना पड़ेगा. संकुचित बुद्धि को छोड़ना पड़ेगा. पुरानी बातों को लेकर क्यों बैठे, अगले भव अनंत भव बिगाड़ते जाते है हम. हर घर में बुर्जुग होते हैं, उनका अनुभव सुनना और उनका कहा हुआ आचरण करना हमारा जीवन सुखमय बनाएगा. हमने बच्चों को स्वतंत्रता देकर गाड़ी, मोबाइल आदि देकर उनका जीवन बर्बाद कर दिया है. एक पल भी हमारी आत्मा का भान नहीं आता. हमकों पाप से बचना है, निर्वाह अलिप्त कर करना हैं. जो मानव जिन आज्ञा का पालन करेंगे. वहीं इस भव और परभव में सुख की अनुभूति करेंगे. ऐसे विचार उन्होंने कथा के माध्यम से उपस्थितों के समक्ष व्यक्त किए.